हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 29 | देहरादून, सोमवार, 18 जुलाई, 2022 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

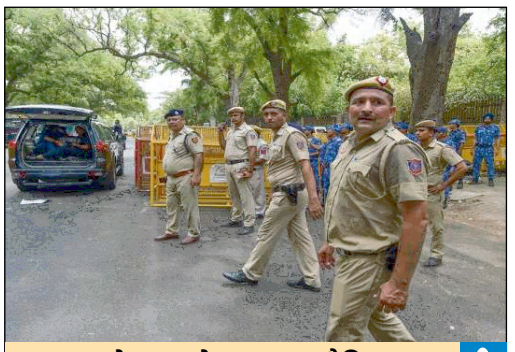

उत्तराखंड में लागू हो गया नया ट्रैफिक प्लान
हरिद्वार से आने जाने वाले ध्यान दें... 3

नदियों के किनारे न जाएं लोग : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में भारी वर्षा की संभावना के दृष्टिगत जिलाधिकारियों को सतर्क रहने के दिये निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

कंट्रोल रूम हर समय सक्रिय रहें

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश में मौसम विभाग द्वारा दी गई भारी वर्षा की चेतावनी के दृष्टिगत सभी मण्डलायुक्तों एवं जिलाधिकारियों को आपदा से संबंधित किसी भी चुनौती से निपटने के लिए हर समय तैयार रहने के निर्देश दिये हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा प्रबंधन की दृष्टि से हर स्तर पर सतर्कता बरती जाए, इस सम्बन्ध में सभी विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करने के भी उन्होंने निर्देश दिये हैं।

जिओ टैगिंग के साथ संवेदनशील स्थलों पर जेसीबी तैनात

मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा की दृष्टि से जिओ टैगिंग के साथ तैनात जेसीबी को हर समय तैयार रखा जाय। आपदा से सम्बन्धित संभावित स्थलों पर इनकी पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित होनी चाहिए। ताकि बंद रास्तों को तुरंत खोला जा सके।

एसडीआरएफ की टीमें तैनात

मुख्यमंत्री ने कहा कि एसडीआरएफ एवं एनडीआरएफ की टीमें तैनात की गई हैं। किसी भी आपदा की स्थिति में कम से कम रेस्पोंस टाईम में बचाव व राहत कार्य संचालित हों। बारिश या भूस्खलन से सड़क, बिजली, पानी की आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में कम से कम समय में आपूर्ति सुचारू की जाय।

मुख्यमंत्री की लोगों से अपील, नदियों के करीब न जाएं

मुख्यमंत्री ने पर्यटकों और जनसामान्य से भी अपील की है कि भारी बारिश की सम्भावना को देखते हुए नदियों एवं बरसाती नालों की तरफ न जाए।

अगस्त तक का खाद्यान्न गोदामो ने भेजा जा चुका

वर्षाकाल में अत्यधिक वर्षा की सम्भावना के दृष्टिगत राज्य में पर्वतीय जनपदों में 69 खाद्यान्न गोदाम चिन्हित हैं। जिनमें सड़क मार्ग के बन्द होने की सम्भावना होती है। ऐसे समस्त 69 खाद्यान्न गोदामों में वर्षाकाल हेतु 03 माह (जून जुलाई, अगस्त, 2022) के अग्रिम खाद्यान्न का प्रेषण किया जा चुका है।

विभिन्न मार्गों पर 396 जेसीबी, पोकलैण्ड तैनात

लोक निर्माण विभाग द्वारा मानसून काल में संचालित मार्गों के बंद होने की स्थिति में खोलने हेतु विभिन्न मार्गों पर कुल 396 मशीनों (जे.सी.बी., पोकलेन, रोबोट आदि) की तैनाती की गई है।

सिंचाई विभाग द्वारा नदियों के जलस्तर की लगातार मॉनिटरिंग

सिंचाई विभाग द्वारा प्रत्येक जनपद में बाढ़ नियंत्रण कक्ष तथा देहरादून में केन्द्रीय बाढ़ नियंत्रण केन्द्र की स्थापना की गयी है। सिंचाई विभाग द्वारा 23 स्थानों पर नदियां तथा 14 स्थानों पर बैराज / डैम पर जलस्तर तथा डिस्चार्ज की निगरानी की जा रही है। सिंचाई विभाग द्वारा विभिन्न जिलों में 113 राजस्व बाढ़ चोकियों स्थापित की गयी है।

पेयजल व बिजली आपूर्ति के लिए पर्याप्त व्यवस्था

उत्तराखण्ड जल संस्थान के द्वारा कन्ट्रोल रूम की स्थापना की गयी है। दैवीय आपदा से सम्बन्धित क्षति को दृष्टिगत करते हुये पेयजल योजनाओं के तत्काल पुनर्स्थापना हेतु 86.31 कि.मी जी.आई पाईप एवं 110.62 कि.मी एच.डी.पी.ई. पाईप कुल 196.93 कि.मी पाईप शाखाओं में बफर के रूप में उपलब्ध करा दिये गये है। आपदा की स्थिति में विभिन्न शाखाओं में पेयजल उपलब्ध कराये जाने हेतु 71 विभागीय टैंकर उपलब्ध हैं एवं किराये के 219 पेयजल टैंकर चिन्हित हैं।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तराखण्ड विभाग द्वारा राज्य के 13 जिलों में 24x7 चिकित्सा उपचार करने हेतु पूर्ण व्यवस्था की गई है। हर जिले में स्थापित सभी चिकित्सालयों में डॉ०, पैरामेडिकल स्टाफ, दवाईयां प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। 108 एम्बुलेंस हर जिले में तैनात हैं। इसके साथ ही हर जिले / मुख्यालय में नोडल एवं सह नोडल अधिकारी तैनात हैं।

एसडीआरएफ के अतिरिक्त एनडीआरएफ की टीमें भी तैनात

15वीं वाहिनी, एन०डी०आर०एफ० को आपदा से निपटने के लिए उत्तराखण्ड राज्य, जिला उधमसिंह नगर के गदरपुर में स्थापित किया गया है। 15वीं वाहिनी, एन०डी०आर०एफ० द्वारा मानसून 2022 के मध्यनजर उत्तराखण्ड के अति संवेदनशील एवं संवेदनशील क्षेत्रां को देखते हुए 06 टीमों को अलग-अलग जिलों (अल्मोड़ा, पिथौरागढ, उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग (केदारनाथजी) एवं आर.आर.सी. झाझरा (देहरादून) में समस्त साजो सामान के साथ तैनात किया है।आपदा के दृष्टिगत दुर्गम स्थलों में दूर संचार व्यवस्था सुचारू बनाए रखने हेतु एस०डी०आर०एफ० द्वारा उपलब्ध कराए गए सैटेलाइट फोन्स को भी सुचारू रखने हेतु संबंधित प्रभागीय वनाधिकारियों को निर्देश निर्गत कर दिए गए हैं। वर्षाकाल में पेड उखड़ने / गिरने की घटनाओं में वृद्धि हो जाती है व कई बार मार्ग बाधित हो जाते हैं, ऐसी घटनाओं की सूचना प्राप्त होते ही संबंधित वन क्षेत्राधिकारियों को सूचित करते हुए तुरन्त कार्यवाही की जा रही है।

सूबे में 1.84 करोड़ लोगों को लगी वैक्सीन : डॉ0 धन सिंह रावत

कहा, राज्य में शतप्रतिशत लोगों को लगी वैक्सीन की पहली डोज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

राज्य में कोविड़ वैक्सीनेषन की रफ्तार जारी है। कोरोन को जड़ से खत्म करने के लिये राज्य सरकार लगातार प्रयास कर रही है। सूबे में अब तक 1.84 करोड़ लोगों को वैक्सीन की पहली व दूसरी डोज लगाई गई है। प्रदेष में शत-प्रतिषत लोगों को वैक्सीन की पहली खुराक दी गई है जबकि दूसरी डोज 94.7 फीसदी लोगों को लग चुकी है। जो कि राष्ट्रीय स्तर के मुकाबले कहीं अधिक है। भारत सरकार के कोविड टीकाकरण अमृत महोत्सव के तहत राज्य में 18 से 59 आयु वर्ग के सभी लाभार्थियों को निःषुल्क प्रिकॉषन डोज दी जा रही है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत ने देषभर में संचालित कोविड वैक्सीनेषन के दुनिया के सबसे बड़े और सफल अभियान के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया का आभार जताया।

सूबे के चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा षिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत ने बताया राज्य में कोविड़ महामारी को जड़ से खत्म करने लिये सरकार द्वारा सफल प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि 15 जुलाई 2022 तक सूबे में 1.84 करोड़ लोगों को कोरोना वैक्सीन

की पहली और दूसरी डोज लगाई गई है। डॉ0 रावत ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत संचालित वैक्सीन अभियान के तहत राज्य में शत-प्रतिषत लोगों को पहली डोज़ लगाई गई है जबकि राष्ट्रीय स्तर पर यह आंकड़ा 95.7 प्रतिषत है। उन्होंने बताया कि बागेष्वर में 108.26, चमोली में 105.31, देहरादून में 110.07, नैनीताल में 101.17, पौड़ी गढ़वाल में 105.58, पिथौरागढ़ में 102.31, रूद्रप्रयाग में 105.83, टिहरी गढ़वाल में 100.26, उत्तरकाषी में 102, अल्मोड़ा में 99.26, चम्पावत में 99.18, ऊधम सिंह नगर में 96.60 एवं हरिद्वार जनपद में 96 फीसदी पात्र लाभार्थियों को कोविड वैक्सीन की पहली डोज लगाई जा चुकी है।

■ 94.7 फीसदी लोगों को मिली दूसरी खुराक

■ वैक्सिनेशन में उत्तराखंड राष्ट्रीय अनुपात के मुकाबले आगे निकला

स्वास्थ्य मंत्री ने जताया प्रधानमंत्री एवं केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री का आभार

डॉ0 रावत ने बताया कि वैक्सीन की पहली डोज लगाने वाले लोगों में से 94.7 फीसदी लोगों को वैक्सीन की दूसरी डोज भी लगा दी गई है जबकि राष्ट्रीय स्तर पर 86.9 फीसदी लोगों को दूसरी डोज दी गई है। जो कि राष्ट्रीय स्तर से कहीं ज्यादा अधिक है। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि राज्य में 15 से 17 आयु वर्ग के 84.1 फीसदी लोगों को पहली डोज लगी जबकि 83.6 फीसदी लोगों को दूसरी डोज भी लग चुकी है। राष्ट्रीय स्तर पर 15 से 17 आयु वर्ग के 82.2 फीसदी लोगों को पहली एवं दूसरी डोज लगाई गई है। डॉ0 रावत ने बताया कि इसी प्रकार राज्य में 12 से 14 आयु वर्ग के 97.4 फीसदी युवाओं को कोविड की पहली खुराक मिल चुकी है जबकि 68.1 फीसदी युवाओं ने दूसरा टीका भी लगा दिया है। राष्ट्रीय स्तर पर इस आयु वर्ग में क्रमषः 80.5 फीसदी एवं 68.6 फीसदी युवाओं का वैक्सीनेषन किया जा चुका है। डॉ0 रावत ने बताया कि इसके अलावा हेल्थ वर्कर्स, फ्रंट लाइन वर्कर्स एवं 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के 94.2 फीसदी लोगों को प्रिकॉषन डोज लगाई जा चुकी है। इसके साथ ही कोविड टीकाकरण अमृत महोत्सव के तहत राज्य में 18 से 59 आयु वर्ग के लाभार्थियों को निःषुल्क प्रिकॉषन डोज लगने शुरू हो गये हैं। डॉ0 रावत ने कहा कि कोरोना अभी खत्म नहीं हुआ है इस महामारी को खत्म करने के लिये सभी लोगों को आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि महामारी को को खत्म करने के लिये सभी का वैक्सीनेषन होना आवष्यक है।

सेहत की बात : क्या बैठने या लेटने पर आपके पीठ में होता है दर्द ?

फ़िरोज़ आलम गाँधी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

खराब लाइफस्टाइल के कारण रीढ़ का कमजोर होना एक आम शिकायत बनती जा रही है। इसलिए कहा जाता है कि हमें अपने खान-पान का खास ख्याल रखना पड़ता है। ऐसे में कोशिश करें कि आप अपनी डाइट में ऐसी चीजें खाएं, जिससे आपकी रीढ़ की हड्डी मजबूत हो। तो आइए जानते हैं ऐसी कौन सी चीजें खानी चाहिए, जिससे रीढ़ की हड्डी मजबूत हो-हरी पत्तेदार सब्जियां खाएं। ऐसा माना जाता है कि हरी पत्तेदार सब्जियां सभी मर्ज की दवा हैं। यह हमारे शरीर की रीढ़ की हड्डी को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाता है।

हरी पत्तेदार सब्जियों में आप रोजाना पालक खा सकते हैं। दरअसल, हरी पत्तेदार सब्जियों में पोषक तत्व भरपूर मात्रा में मौजूद होते हैं, जो हड्डियों को मजबूत बनाने में अहम होते हैं। इसके अलावा आप संतरे की सब्जी भी खा सकते हैं। इसे खाने से रीढ़ की हड्डी भी मजबूत होती है। इसमें आप सीताफल, शकरकंद और गाजर भी खा सकते हैं।नट्स को अपनी डाइट में शामिल करेंइसके साथ ही आप रीढ़ की हड्डी को मजबूत करने के लिए बादाम और अखरोट जैसे मेवे खा सकते हैं। दरअसल, बादाम कैल्शियम और विटामिन-ई का अच्छा स्रोत हैं। माना जाता है कि अखरोट में अन्य नट्स की तुलना में अधिक ओमेगा -3 होता है। साथ ही इसे खाने से शरीर में सूजन नहीं आती है।

हड्डियों को कमजोर बनाती हैं ये आदतें

प्रोटीन की अधिकताः प्रोटीन की अधिकता से शरीर में एसिडिटी बनने लगती है और कैल्शियम टॉयलेट के जरिए बाहर निकल जाता है। इसलिए सीमित मात्रा में प्रोटीन का सेवन करें, अत्यधिक प्रोटीन हड्डियों को नुकसान पहुंचाता है। कार्बोनेटेड ड्रिंकः हड्डियों को लंबे समय तक स्वस्थ और मजबूत बनाने के लिए कार्बोनेटेड पेय जैसे शीतल पेय, शैंपेन का सेवन बहुत कम करना चाहिए। इस प्रकार के पेय में फॉस्फेट अधिक होता है जो कैल्शियम को कम करके हड्डियों को कमजोर बनाता है।

राष्ट्रपति चुनाव के लिए आज उत्तराखंड विधानसभा में 70 विधायक करेंगे मतदान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

राष्ट्रपति चुनाव के लिए विधानसभा भवन देहरादून में सोमवार को मतदान होगा। इसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। प्रदेश के सभी 70 विधायक मतदान के लिए अधिकृत हैं। सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक मतदान किया जा सकेगा। निर्वाचन आयोग के पर्यवेक्षक एलएच चांगसांग ने विधानसभा भवन में मतदान की व्यवस्था का निरीक्षण किया।

निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देश के अनुसार 18 जुलाई को राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान किया जाएगा। उत्तराखंड में मतदान के लिए विधानसभा भवन देहरादून में सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। यहां पर प्रदेश के 70 विधायक अपने मत का प्रयोग करेंगे।

इसमें भाजपा के 47, कांग्रेस के 19, बसपा के दो और दो निर्दलीय विधायक हैं। विधानसभा भवन के कक्ष संख्या 321 में मतदान की व्यवस्था की गई है। मतदान स्थल पर मोबाइल फोन, वायरलैस सेट और कैमरा ले जाना प्रतिबंधित रहेगा। निर्वाचक सदस्य अपना परिचय पत्र दिखाने के बाद मतदान कक्ष में प्रवेश करेंगे। वोट डालने के बाद कक्ष से बाहर आएंगे।

रविवार को निर्वाचन आयोग की ओर से तैनात पर्यवेक्षक एलएच चांगसांग ने विधानसभा भवन में मतदान स्थल, स्ट्रांग रूम की सुरक्षा और मतदान व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने मतदान की तैयारियों की प्रशंसा की है। विधानसभा सचिव एवं सहायक रिटर्निंग आफिसर मुकेश सिंघल ने बताया कि राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

उत्तराखंड में लागू हो गया नया ट्रैफिक प्लान हरिद्वार से आने जाने वाले ध्यान दें...

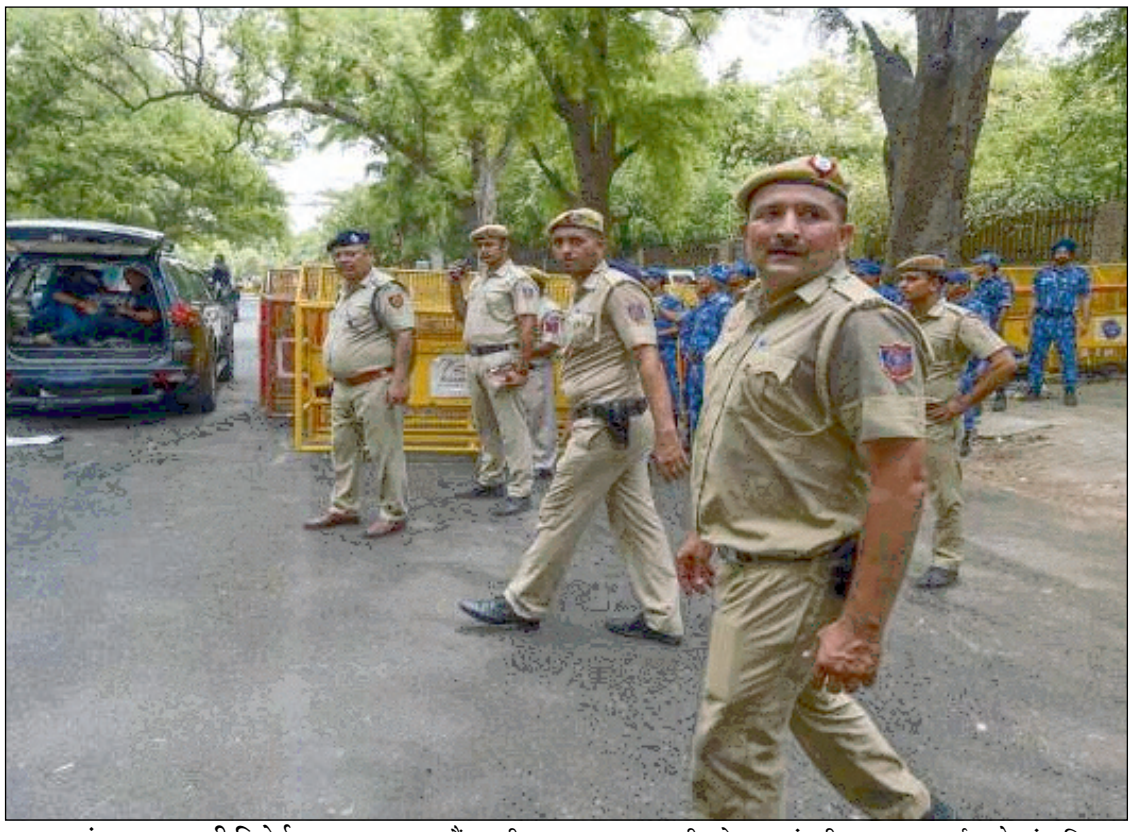

संजय कुमार की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

14 जुलाई,गुरुवार से सावन का पवित्र महीना प्रारंभ हो चुका है। श्रावण मास की शुरुआत के साथ ही गुरुवार से कांवड़ यात्रा का आगाज हो गया। इस बार यात्रा में चार करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने का अनुमान हैं। ऐसे में सुरक्षा के लिए हरिद्वार से नीलकंठ तक करीब 10 हजार से अधिक पुलिस कर्मियों की तैनाती की गई है। यातायात व्यवस्था सुचारू रखने के लिए पुलिस ने पैदल कांवड़ यात्रियों और डाक कांवड़ के लिए अलग-अलग रूट प्लान बनाए हैं। नजीबाबाद/मुरादाबाद की ओर जाने वाले पैदल कांवड़ यात्री हरकी पैड़ी से सीसीआर चौक से दीनदयाल पार्किंग अंडर पास होते हुए तिरछा पुल से पहले नहर पटरी मार्ग से रसियाबढ़ होते हुए भेजे जाएंगे। मेरठ, मुजफ्फरनगर की ओर जाने वाले पैदल कांवड यात्री हरकी पैड़ी से गंगाजल लेकर रोड़ी बेलवाला रैम्प से सिंहद्वार चौक पहुंचेंगे। देहरादून और ऋषिकेश की ओर जाने वाले पैदल कांवड़ यात्री हरकी पैड़ी से भीमगोड़ा बैरियर से खड़खड़ी चौकी होते हुए दूधाधारी तिराहे से अपने गंतव्य को जाएंगे।

भारी वाहनों के लिए चिड़ियापुर, कांगड़ी, नारसन बार्डर, देवबंद तिराहा, बिजौली देहरादून बाईपास, सर्विस रोड, जगजीतपुर चौकी, लालतप्पड़ व ख्याति ढाबा (बहरादराबाद) के पास पार्किंग की व्यवस्था की गई है। बैरागी कैंप में ट्रक/ट्रैक्टर ट्रॉली/बस/हल्के वाहन और बाइक खड़ी होंगी। दीनदयाल (धोबीघाट) पार्किंग में हल्के वाहन, स्कूटर और बाइक और पंतद्वीप पार्किंग में कार और बाइक खड़ी होंगी। चमगादड़ टापू पार्किंग में ट्रैक्टर ट्राली, बस, कार, और बाइक खड़ी होंगी। गड्डा पार्किंग में कार व बाइक, लालजीवाला पार्किंग में देहरादून, ऋषिकेश की ओर से आने वाले यात्री वाहन व बस पार्क कराई जाएंगी। ऑटो-विक्रम के लिए भी प्लान जारी किया गया है। देहरादून और ऋषिकेश की तरफ से आने वाले ऑटो और विक्रम को जयराम मोड़ से यू-टर्न कर वापस भेजा जाएगा। ज्वालापुर और बीएचईएल की तरफ से आने वाले ऑटो, विक्रम और ई-रिक्शा शिवमूर्ति तिराहा से तुलसी चौक से देवपुरा तिराहे से वापस जाएंगे।

जगजीतपुर से आने वाले ऑटो, विक्रम और ई-रिक्शा सिंहद्वार से वापस जाएंगे। शिवमूर्ति चौक से हरकी पैड़ी तक जीरो जोन रहेगा। इसी तरह भीमगोड़ा बैरियर से हरकी पैड़ी तक जीरो जोन रहेगा। रोडवेज बसों को ऋषिकुल मैदान, हरिराम आर्य इंटर कॉलेज में पार्क किया जाएगा। हरिद्वार के डीएम विनय शंकर पांडेय ने कहा कि सभी श्रद्धालु कांवड़ यात्रा में आने से पहले पोर्टल https://policecitizenportal.uk.gov.in/Kavad पर रजिस्ट्रेशन जरूर कराएं। कांवड़ यात्रा में तैनात रहने वाले कर्मचारियों को भी अनावश्यक मोबाइल का प्रयोग नहीं करने व नशा नहीं करने संबंधी निर्देश दिए गए हैं। जिला प्रशासन की ओर से जारी किया गया यातायात प्लान लागू हो गया है।

राज्य को बिजली की समस्या से निजात दिलाने में नाकाम हुई सरकार : यशपाल आर्य

आशीष तिवारी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

राज्य भर में शहरों से लेकर ग्रामीण अंचलों तक हो रही अघोषित बिजली कटौती से आम उपभोक्ता परेशान हैं। कुछ महीनों पहले हुए विधानसभा चुनाव में 24 घंटे विजली आपूर्ति का वादा करने वाली भाजपा के सरकार में आने के बाद गर्मियों तो दूर अब बरसात में भी ग्रामीण क्षेत्रों में मुश्किल से आठ से नौ घंटे बिजली आपूर्ति मिल पा रही है। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने आरोप लगाया कि , गर्मियों में जल विद्युत परियोजनाओं में पानी की कमी के कारण कम विद्युत उत्पादन होने का रोना रोने वाली सरकार अब भरपूर बरसात में भी राज्य को बिजली की समस्या से निजात नही दिला पा रही है । उन्होंने बताया कि , '' राज्य की जल विद्युत परियोजनाओं को चलाने के लिए कभी पानी की कमी नही रही है कमी अगर कंही है तो वह सरकार की नीतियों और कार्यप्रणाली में है। ''

यशपाल आर्य ने बताया कि , आजकल राज्यभर में सुबह 6 बजे से ही बिजली की आंख मिचैली शुरू हो जाती है जो दिन भर जारी रहती है। दिन में लाइट की कटौती से जहां व्यापारी और नागरिक परेशान हैं वहीं शाम होते ही गांव- नगर में ऐसा अंधेरा छा जाता है जैसे कि युद्ध के समय का ब्लैक आउट हो । बिजली कटौती के चलते घरों और दुकानों के कूलर, पंखे, फ्रिज, एसी महज शो पीस बने हुए हैं। उनका

आरोप है कि , बिजली अगर आती भी है तो लो वोल्टेज या एक फेस बंद होने के कारण उसे न आया ही समझना चाहिए। ऐसे में सुबह से बिजली गुल होने के कारण आम जन को पानी भी नहीं मिल पा रहा है। बिजली न रहने से वेल्डिग, आरा मशीन, फर्नीचर आदि के व्यवसाय पर भी असर पड़ रहा है। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि , हर दिन हजारों रुपये का डीजल खर्चकर दुकानदार अपने व्यवसाय को जिंदा रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि , आम गरीब लोग दिन में तो किसी तरह काम निपटा ले रहे हैं, लेकिन रात को लाइट न होने के चलते पंखे नहीं चल रहे हैं और मच्छरों का प्रकोप बढ़ जा रहा है।

यशपाल आर्य ने बताया कि , उन्हें शिकायतें मिल रही हैं कि राज्य के बिजली बोर्ड के अधिकारी और कर्मचारी जनप्रतिनिधियों की बिजली की कमी से संबंधित शिकायतों को सुनने के लिए फोन तक नही उठाते हैं इससे सिद्ध होता है कि , उत्तराखण्ड में इस समय कल्याणकारी राज के बजाय शोषक राज चल रहा है जिसमें व्यवस्था और अधिकारियों पर सरकार का कोई अंकुश नहीं है।

आर्य ने आरोप लगाया कि , सरकार ऊर्जा से संबंधित तीनों निगमों - यू0पी0सी0एल0, यू0जे0वी0एन और पिटकुल को धीरे-धीरे बरबाद करके बेच देना चाहते हैं। इसलिए इन निगमों को अस्थाई व्यवस्था के तहत चलाया जा रहा है निगमों में निदेशकों के अधिकांश पद खाली हैं। यू0पी0सी0एल0 में निदेशक ओपरेशन का पद खाली है ऐसे में राज्य में बिजली की सही व्यवस्था होने की कल्पना भी नही की जा सकती है। उन्होंने कहा कि , न केवल ऊंचे स्तर पर बल्कि जमीनी स्तर पर काम करने वाले जूनियर इंजीनियरों के अधिकांश पद खाली हैं । निचले तकनीकी कर्मचारियों को ठेके पर लेने से व्यवस्था छिन्न-भिन्न हो गयी है।

नेता प्रतिपक्ष ने बताया कि , राज्य को सामान्य दिनों में लगभग 55 मिलियन यूनिट विद्युत की जरुरत होती है। वर्तमान में कुल जरुरतों की 65 प्रतिशत बिजली ही उत्तराखंड स्वयं के उत्पादन से और केन्दीय कोटा से सुनिश्चितत करता है लेकिन जरूरत के 35 प्रतिशत याने लगभग 10 मिलियन यूनिट विद्युत की हमेशा कमी रहती है।

नेता प्रतिपक्ष का आरोप है कि , सरकार ने व्यक्तिगत स्वार्थों के कारण पिछले कुछ सालों में समय पर 99 मेगावाट की सिंगोली - भटवाड़ी परियोजना का पी0पी0ए0 और उधमसिंह नगर के 450 मेगावाट और 250 मेगावाट के दो गैस आधारित संयंत्रों से उचित बिजली खरीद समझौते नही किये वरना आज राज्य को न तो बिजली की कटौती का सामना करना पड़ता और न ही महंगी बिजली खरीदनी पड़ती। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि अब इस अघोषित बिजली की कटौती से राज्य की जनता को उबारने हेतु कांग्रेस माँग करती है कि , '' उत्तराखंड को केंद्र सरकार सस्ती दर पर बिजली उपलब्ध कराये और सेंटर पूल से मिलने वाले बिजली कोटे में बढ़ोंतरी करे। ''

क्या आपने देखा है मोटरसाइकिल वाला मंदिर जहां देवता हैं रॉयल एनफील्ड बुलेट 350

महविश की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मंदिरों में भगवान की पूजा होते तो सभी ने देखी है लेकिन क्या कभी आपने मोटरसाइकिल के मंदिर के बारे में सुना है. अजीब जरूर है लेकिन सच है. राजस्थान में एक ऐसा मंदिर है, जहां रॉयल एनफील्ड बुलेट 350 की पूजा होती है. यहां पूरे देश से बाइक राइडर और अन्य लोग आकर सुख समृद्धि और सुरक्षा की कामना करते हैं. इस मंदिर का नाम है ओम बन्ना धाम उर्फ बुलेट बाबा मंदिर... बुलेट बाबा मंदिर NH-62 जोधपुर-पाली एक्सप्रेसवे पर बना है. यह जोधपुर से लगभग 50 किमी और पाली से लगभग 20 किमी दूर है. बाइक की पूजा होने वाला यह मंदिर ओम बन्ना को समर्पित है. राजस्थान में राजपूत नवयुवकों को बन्ना कहा जाता है. ओम बन्ना का पूरा नाम ओम सिंह राठौड़ था. वह पाली शहर के पास स्थित चोटिला गांव के ठाकुर जोग सिंह राठौड़ के पुत्र थे.

लगभग 30 साल पहले 1988 में ओम बन्ना एक शाम अपनी बुलेट 350 पर बांगड़ी से चोटिला गांव लौट रहे थे. पाली के पास अचानक ओम बन्ना को लगा कि सड़क पर कोई है. बचने के लिए उन्होंने जैसे ही अपनी बाइक घुमाई, बाइक सड़क पर आ रहे ट्रक से भिड़कर एक पेड़ से जा टकराई. टक्कर इतनी तेज थी कि ओम बन्ना की घटना स्थल पर ही मृत्यु हो गई.

ओम बन्ना के एक्सिडेंट के बाद पुलिस उनका शव और बाइक थाने ले गई. लेकिन बाइक रहस्यमयी ढंग से पुलिस थाने से गायब हो गई और दुर्घटना वाली जगह पर मिली.उसके बाद पुलिस बाइक को फिर से थाने ले आई लेकिन अगली सुबह फिर बाइक थाने से गायब हो गई और उसी घटना स्थल पर पहुंच गई. दूसरी बार ऐसा होने पर पुलिस को शक हुआ तो बाइक को फिर थाने में लाकर जंजीरों से बांध दिया गया और फ्यूल टैंक को खाली कर दिया गया. इस बार बाइक की निगरानी की गई. तब पुलिसवालों ने देखा कि जंजीरों में बंधी बाइक खुद-ब-खुद स्टार्ट हुई और जंजीरें तोड़ती हुई घटनास्थल पर पहुंच गई. इसके बाद पुलिसवालों ने सोचा कि बाइक को घर पर खड़ा कर दिया जाए. लेकिन घर से भी बाइक वहीं घटनास्थल पर पहुंच गई.

यह रहस्यमयी घटना जंगल की आग के जैसे आसपास के गांवों में फैल गई. बाइक का बार-बार घटनास्थल पहुंच जाना देखकर, ओम बन्ना के पिताजी ने इसे ओम बन्ना की इच्छा माना और बाइक को वहीं चबूतरा बनाकर खड़ा कर दिया गया. गांव वालों ने बुलेट बाइक की पूजा शुरू कर दी. फिर यहां मंदिर का निर्माण कर दिया गया और इसे बुलेट बाबा मंदिर उर्फ ओम बन्ना धाम नाम दिया गया. इस रास्ते से गुजरने वाले यात्री आते-जाते समय ओम बन्ना के मंदिर में कुशल यात्रा की प्रार्थना करके ही आगे बढ़ते हैं.कहा जाता है कि पहले चोटिला गांव के आसपास बहुत अधिक सड़क हादसे हुआ करते थे. लेकिन ओम बन्ना की मौत और उनकी बाइक का मंदिर बनने के बाद अब ये काफी कम हो चुके हैं.

उत्तराखंड में यात्री वाहनों का बढ़ा किराया, महंगा हुआ सफर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड में सभी तरह के यात्री वाहनों और माल भाड़ा वाहनों का दो साल के इंतजार के बाद बढ़ा दिया गया किराया। दो दिन पहले हुई राज्य परिवहन प्राधिकरण (एसटीए) की बैठक के बाद शुक्रवार को परिवहन मुख्यालय ने सभी तरह के वाहनों के किराये की नई दरें जारी कर दीं। 18 फरवरी 2020 के बाद शुक्रवार को दरों में बढ़ोतरी हुई है। परिवहन आयुक्त अरविंद सिंह ह्यांकी ने बताया कि बस और टैक्सियों के किराये में करीब 22 प्रतिशत, चारधाम यात्रा पर संचालित होने वाली बसों के किराये में करीब 27 प्रतिशत, ऑटो व तिपहिया वाहनों के किराये में 15 से 18 प्रतिशत, माल भाड़े में करीब 38 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है।

संयुक्त परिवहन आयुक्त एसके सिंह ने बताया कि माल भाड़ा वर्ष 2016 से नहीं बढ़ा था। उन्होंने बताया कि परिवहन निगम अधिकतम 20 प्रतिशत कर्मचारी कल्याण अधिभार आरोपित कर सकता है। ई-रिक्शा, किराये पर चलने वाले दुपहिया वाहनों और एंबुलेंस के लिए पहली बार किराये की दरें निर्धारित की गई हैं।

जाने पूरे विस्तार से ;रोडवेज बसों और निगम या पालिका से बाहर चलने वाली बसों के लिए मैदानी मार्गों पर किराया 105 पैसे से बढ़ाकर 128 पैसे और पर्वतीय मार्गों पर 150 पैसे से बढ़ाकर 183 पैसे प्रति किलोमीटर प्रति सवारी कर दिया गया है। चारधाम यात्रा रूट पर चलने वाली 20 सीटों तक की बसों का किराया 55 रुपये से बढ़ाकर 70 रुपये प्रति किलोमीटर कर दिया गया है। सिटी बसों का किराया सात रुपये से बढ़ाकर नौ रुपये प्रति दो किलोमीटर कर दिया गया है। ऑटो का किराया शुरुआती दो किलोमीटर के लिए 50 से बढ़ाकर 60 रुपये किया गया। पांच से सात सवारी क्षमता वाले टैंपो का किराया पहले दो किलोमीटर के लिए 40 रुपये से बढ़ाकर 50 रुपये कर दिया गया है। टैक्सी-मैक्सी का किराया मैदानी मार्गों पर 14 से बढ़ाकर 16 रुपये और पर्वतीय मार्गों पर 16 से बढ़ाकर 18 रुपये प्रति किलोमीटर कर दिया गया है। ठेका बस का किराया 20 सीट क्षमता तक वाली बस के लिए मैदानी मार्ग पर 50 से बढ़ाकर 61 रुपये और पर्वतीय मार्गों पर 55 से बढ़ाकर 67 रुपये प्रति किलोमीटर कर दिया गया है। ई-रिक्शा में चार सवारियां बैठती हैं। इनके लिए 12 रुपये प्रति किमी किराया तय किया गया है।

तपन कौशिक बने रोटरी क्लब दून शिवालिक हिल्स के नए अध्यक्ष, अब लेंगे एक गांव को गोद और करेंगे स्वास्थ्य सेवाओं का बड़ा विस्तार

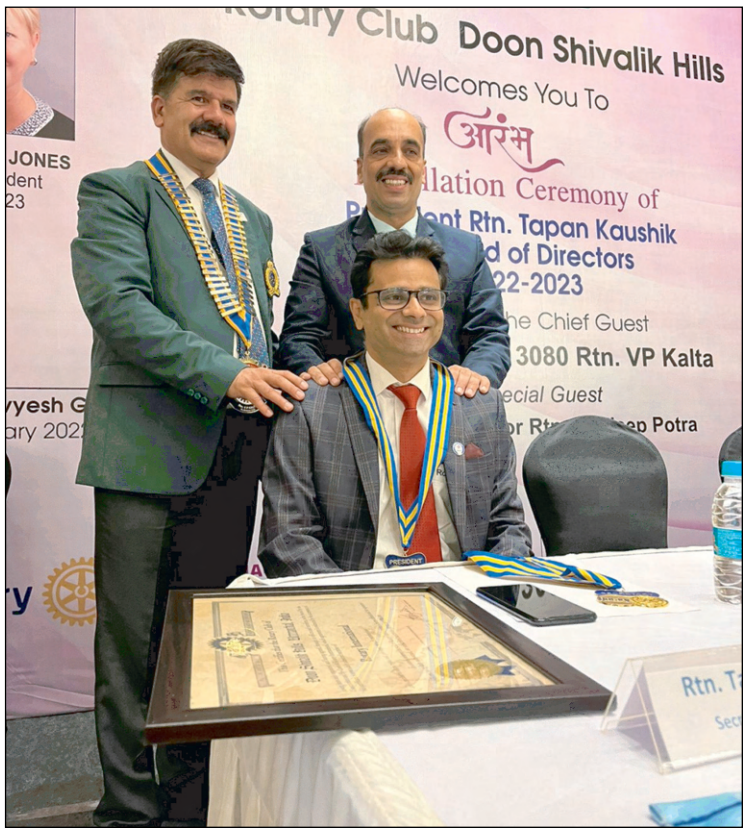

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून,16 जुलाई 2022 । रोटरी क्लब दून शिवालिक हिल्स के नव नियुक्त अध्यक्ष तपन कौशिक ने अपनी नई कार्यकारिणी के पदाधिकारियों के साथ अपना कार्यभार संभाल लिया है,क्लब के नवनियुक्त अध्यक्ष तपन कौशिक व सचिव दिव्येश गर्ग ने क्लब का आगामी कार्यक्रम जारी करते हुए बताया कि इस वर्ष क्लब स्वास्थ्य क्षेत्र में अपनी सेवाओं का दायरा बढ़ाएगा ।तपन कौशिक ने बताया की इस वर्ष रोटरी क्लब दून शिवालिक हिल्स एक गांव को गोद लेने की (VILLAGE ADOPTION) योजना पर काम करेगा जिसमे गांव के शिक्षा , स्वास्थ्य व कृषि क्षेत्र में भी रोटरी अपना योगदान देगी जिसके लिए सरकार व अन्य संस्थाओ के साथ मिल कर इस योजना पर कार्य किया जायेगा । इस वर्ष रोटरी क्लब एक छोटी सी ख़ुशी प्रोजेक्ट पर भी काम करेगा जिसके तहत निर्धन बच्चो के साथ कुछ ख़ुशी के पल बिताये जायेंगे , इस पर क्लब द्वारा 9 जुलाई को तिलक रोड स्थित एक अनाथ आश्रम में पिज़्ज़ा व डांस पार्टी का आयोजन किया गया था , ऐसे ही आयोजन अन्य स्थानों में भी किये जायेंगे ।कार्यक्रम की मुख्य अतिथि वी पी काल्टा , डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटरी ने तपन व उनकी नयी टीम को बधाई दी और आगे के लिए शुभ कामनाये भी I रोटरी क्लब के सचिव दिवेश गर्ग ने आये हुए सभी अतिथयों का धन्यवाद किया उन्होंने रोटरी के कार्यो में सबके सहयोग की अपील की । कार्यक्रम का संचालन रोटेरियन कविता टंडन ने किया ।इस अवसर पर रोटरी क्लब के वरिष्ठ सदस्य डॉ डी पी नवानी, अंकित अग्रवाल ,जाग्रति नवानी, रसिक भाटिया , डॉक्टर जयंत नवानी ,आस्था कौशिक , विकास अग्रवाल ,अजय कर्णवाल , डॉ अखिल कुकरेजा , संदीप सिंह , मेधावी व सुशांत , राकेश अग्रवाल व अन्य मौजूद रहे ।

13 से 15 अगस्त तक उत्तराखंड के 20 लाख घरों पर लहराएगा तिरंगा : मुख्यमंत्री

केंद्रीय गृह मंत्री ने सभी राज्यों के साथ की समीक्षा, जनसहभागिता पर दिया बल

फ़िरोज़ आलम गांधी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में 'हर घर तिरंगा अभियान' पर आयोजित वीडियो कांफ्रेंसिंग में प्रतिभाग किया। वीडियो कांफ्रेंसिंग में केंद्रीय संस्कृति मंत्री जी किशन रेड्डी, राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के राज्यपाल, उप राज्यपाल व मुख्यमंत्री उपस्थित थे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि आजादी की 75 वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम 'हर घर तिरंगा' में जनसहभागिता सबसे जरूरी है। इसके लिये व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार कर लोगों विशेष रूप से युवाओं को प्रेरित करना है। यह जन जन का कार्यक्रम है। इसके लिये केंद्रीय सरकार व सभी राज्य सरकारों को मिलकर काम करना है।

'घर घर तिरंगा अभियान' की भावना को ग्राम स्तर तक ले जाना है। स्कूली बच्चों की प्रभात फेरियो का आयोजन किया जाए।बताया गया कि आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत 13 अगस्त से 15 अगस्त तक देश भर में हर घर तिरंगा अभियान संचालित किया जाएगा। जन जन को इसमें भागीदारी के लिये प्रेरित किया जाएगा। लोग बढ चढकर उत्साह के साथ सहभागिता कर सकें, इसके लिए फ्लैग कोड में कतिपय संशोधन किये गये हैं। इसकी विस्तृत जानकारी राज्यों को प्रेषित की जा रही है।

वीडियो कांफ्रेंसिंग के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को 'हर घर तिरंगा अभियान' की तैयारी पूरी गम्भीरता व सर्वोच्च प्राथमिकता से करने के निर्देश दिये।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर देश की आजादी के 75 वी वर्षगांठ को अमृत महोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। इससे देशवासियों में उत्साह का संचार हुआ है। युवाओं में देश के प्रति कर्तव्य भावना बलवती हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान

में हमारे गैलेन्ट्री अवार्ड विजेताओं को शामिल किया जाए। प्रदेश में 20 लाख घरों में तिरंगा लोगों द्वारा स्वयं लगाया जाना है। इतने बडे स्तर पर जन सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए।

खास तौर पर सोशल मीडिया का उपयोग किया जाए। सभी सरकारी वेबसाइट व सोशल मीडिया हैण्डल का प्रयोग किया जाए। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में हर घर तिरंगा अभियान कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा बनाकर अविलंब तैयारियां शुरू की जाएं। इसमें सभी विभाग मिलकर काम करें। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों व उनके परिवार जनों, स्वयं सेवी संस्थाओं, प्रबुद्ध जनों को भी कार्यक्रम से जोडा जाए। कांवड यात्रियों को भी तिरंगा के लिए प्रेरित किया जाए।बैठक में अपर मुख्य सचिव राधा रतूडी, सचिव संस्कृति हरिचंद्र सेमवाल, निदेशक संस्कृति वीणा भट्ट व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

क्या आप जानते हैं योद्धा तुर्रम खान की शौर्यगाथा

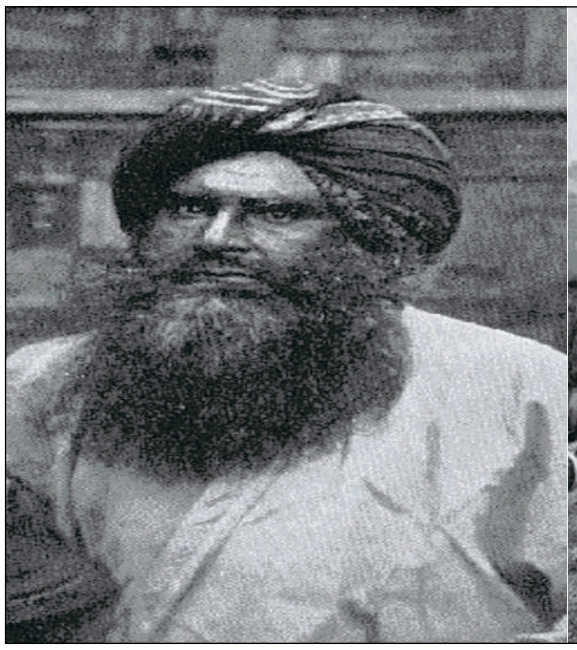

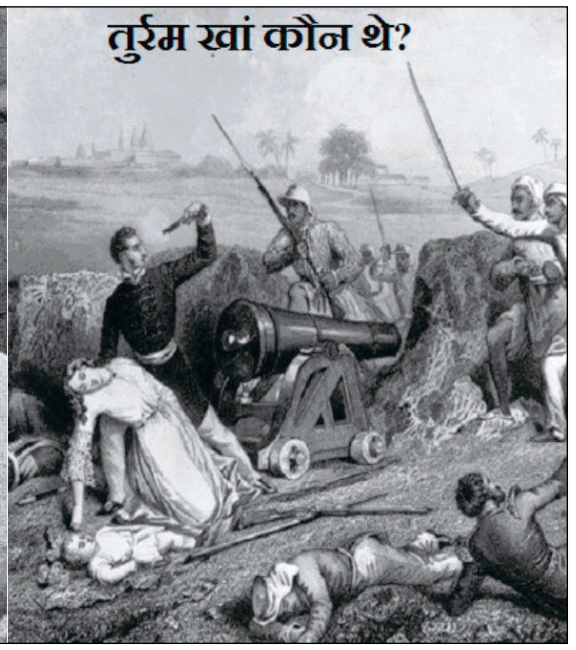

फ़िरोज़ आलम गाँधी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हमारी और आपकी ज़िन्दगी से एक नाम जुड़ा है जो अक्सर या तो हम दूसरों के लिए कहते हैं या कोई दूसरा हमारे लिए कहता है और वो नाम है तुर्रम खां का .... जी हां, वही नाम जिसका इस्तेमाल लोग बड़ी बहादुरी या थोड़ी शेखी बघारने के लिए करते हैं , लेकिन क्या आप जानते हैं कौन था तुर्रम खान ? इस नाम के पीछे की कहानी क्या है ? तो चलिए न्यूज़ वायरस संवाददाता फ़िरोज़ आलम गाँधी की ये रिपोर्ट पढ़ कर जान लीजिये

ये कहानी है आजादी से करीब 100 साल पहले की। वह दौर था 1857 की क्रांति का। जगह थी हैदराबाद। यहां भी एक लड़ाई लड़ी गई, जिसके बारे में इतिहास में कम ही जिक्र मिलता है। पन्ना पलटने पर तुर्रे बाज़ खान का नाम कहीं-कहीं पता चलता है जिसे बेगम बाजार का एक साधारण सैनिक बताया गया है। ऐसे में आज की पीढ़ी के लिए यह जानना और भी जरूरी हो जाता है कि हैदराबाद का तुर्रेबाज खान कौन था ?

मेरठ से बगावत की चिंगारी हैदराबाद पहुंची

हैदराबाद में भी 1857 के विद्रोह की अपनी कहानी है। इस लड़ाई का नेतृत्व किया था तुर्रेबाज खान ने। उन्हें ही तुर्रम खां के नाम से जाना जाता है। उनके साथ थे मौलवी अलाउद्दीन। हैदराबाद में अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ बगावत की ज्वाला जमींदार चीदा खान को आजाद कराने के लिए सुलगी, जिन्हें रेजीडेंसी के अंदर जेल में रखा गया था। मेरठ में बगावत की खबर हैदराबाद पहुंच चुकी थी, मस्जिदों, चर्चों, चौराहों हर जगहों पर पोस्टर लगाते हुए निजाम और आम जनता से अपील की गई कि वे सभी ब्रिटिश के खिलाफ खड़े हों। हालांकि निजाम अफजल उद-दौला और उसके मंत्री सलार जंग ने अंग्रेजों का साथ दिया।

लड़ाकों की बनाई फौज

Turram Khan अंग्रेजों के खिलाफ तुर्रेबाज और उनके साथियों के गुस्से की बड़ी वजह निजाम का ईस्ट इंडिया कंपनी के साथ किया गया अलायंस था। निजाम की सेना और ईस्ट इंडिया कंपनी में मौजूद भारतीय सिपाहियों ने यूरोपीय अधिकारियों के खिलाफ बगावत कर दी। बगावत का झंडा बुलंद करते हुए तुर्रेबाज खान ने क्रांतिकारियों को एकजुट किया और करीब 5000 बहादुर लड़ाकों की फौज खड़ी कर दी। इसमें कई अरब और छात्र भी शामिल थे।

गद्दारी हो गई

Turram Khan इसी दौरान मौलवी अलाउद्दीन भी तुर्रेबाज के साथ हो गए। एक दिन शाम 6.30 बजते-बजते रेजीडेंसी को घेर लिया गया। पश्चिमी दीवार की तरफ दो बड़ों घरों में उन्होंने पोजीशन ले ली। दो साहूकारों अब्बन साहेब और जयगोपाल दास ने इस मिशन के लिए अपना घर तक खाली कर दिया। उधर, ब्रिटिश रेजीडेंसी की तरफ 5000 लोगों के कूच करने की खबर मंत्री मीर तुराब अली खान तक पहुंचा दी गई। उसने गद्दारी करते हुए रेजीडेंसी को अलर्ट कर दिया। घर से पोजीशन लिए हुए इन जांबाजों पर मद्रास हॉर्स आर्टिलरी के प्रशिक्षित सैनिक भारी पड़ रहे थे। पूरी रात फायरिंग चलती रही। सुबह 4 बजे तक क्रांतिकारियों ने मोर्चा संभाला और फिर शहीद हो गए। रेजीडेंसी से लगातार होती फायरिंग देख दो हवेलियों में छिपे लड़ाके भाग निकले। चारों तरफ शव ही शव बिखरे पड़े थे।

तुर्रम खां ने मुंह नहीं खोला

तुर्रेबाज यह सोचकर भाग निकले कि वह अपनी ताकत और बढ़ाकर वापस अटैक करेंगे। 22 जुलाई को तुराब अली खान ने अंग्रेजों को तुर्रेबाज के बारे में सूचना लीक कर दी। तुर्रेबाज को उनकी आंख के पास मौजूद निशान से पहचान लिया गया और जंगल में गिरफ्तार कर लिया गया। तुर्रेबाज बेहद पराक्रमी और तेजतर्रार थे। 'काला पानी की सजा' काटने के लिए उन्हें भेजा जाता, उससे पहले ही 18 जनवरी 1859 को वह जेल से भागने में कामयाब रहे। उन पर 5000 रुपये का इनाम घोषित हुआ। इतिहासकार मानते हैं कि वह धोखे से जंगल में पकड़ लिए गए और 24 जनवरी को उन्हें घेरकर गोली मार दी गई। उनके शव को शहर में घसीट कर घुमाया गया। कुछ इतिहासकारों का यह भी कहना है कि उनके शव से कपड़े हटाकर रेजीडेंसी के पास पेड़ से लटका दिया गया था।

हरेला पर मंत्रियों की पत्नियों ने किया पौधरोपण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास में सपरिवार परंपरागत विधि विधान के साथ हरेला पर्व मनाया। हरेला के शुभ अवसर पर मुख्यमंत्री आवास परिसर में मंत्रीगणों व विधायकगणों की पत्नियों ने फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया। प्रदेश में 16 जुलाई से 15 अगस्त 2022 तक व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण किया जायेगा।

इस अवसर पर गीता पुष्कर धामी, निर्मला जोशी , डॉ. दीपा रावत , शशिप्रभा अग्रवाल , बबीता पुण्डीर , शशि चमोली , सुबोधिनी शर्मा , कुसुम गैरोला , अनीता दास एवं हेमलता गड़िया ने विभिन्न प्रजाति के फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया। गीता पुष्कर धामी ने हरेला पर्व पर उपहार स्वरूप मंत्रीगणों एवं विधायकगणों की पत्नियों को पौधे भी भेंट किए। उन्होंने कहा कि संस्कृति और प्रकृति के संगम से परिपूर्ण यह पावन पर्व हम सभी को पर्यावरण संरक्षण के प्रति हमारे कर्तव्यों का बोध कराता है।

संपादकीय

वन्यजीवों की तस्करी

बीते कुछ वर्षों में वन्यजीवों का अवैध कारोबार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संगठित अपराध में बदल गया है. बड़े पैमाने पर दुर्लभ प्रकार के वन्यजीवों की तस्करी से कई जीवों के अस्तित्व पर संकट मंडराने लगा है. पिछले महीने पश्चिम बंगाल के वन अधिकारियों ने जलपाईगुड़ी के जंगलों से तीन कंगारुओं को बरामद किया था. इसके बाद कंगारुओं को बंगाल सफारी पार्क भेज दिया गया. अधिकारियों के मुताबिक, इन कंगारुओं का जन्म दक्षिण-पूर्वी एशिया के किसी संरक्षित प्रजनन केंद्र में हुआ है और उन्हें तस्करी कर यहां लाया गया. विदेशों से तस्करी कर लाये जानेवाले वन्यजीवों का पालतू जानवरों के रूप मे भी व्यापार होता है. दक्षिण एशिया में बढ़ता यह अवैध व्यापार कानून में मौजूद अनेक खामियों को उजागर करता है. यह दूसरा मौका है, जब उत्तर बंगाल में कंगारुओं की बरामदगी हुई है. हालांकि, उक्त प्रकरण में जांच के आदेश दिये गये हैं. गजोल्डोबा वन के निचले क्षेत्र में कंगारू पाये जाते रहे हैं, यह इलाका दक्षिण में बांग्लादेश, पूर्व में नेपाल और उत्तर में भूटान से घिरा है. पिछले हफ्ते म्यांमार सीमा से लगे मिजोरम में भी तीन पैर वाले स्लॉथ, बीवर, सांप, दुर्लभ छिपकलियों और पोटोस (एक छोटा प्राइमेट) समेत ४०० से अधिक विदेशी जीवों की खेप पकड़ी गयी थी. बैंकाक से आये एक यात्री के बैग से कुछ दुर्लभ जीव पकड़े गये थे. हालांकि, अवैध तस्करी के ऐसे अनेक मामले नजर में नहीं आ पाते. इसका बड़ा कारण है कि भारत में विदेशी वन्यजीवों को कब्जे में लेने, व्यापार और प्रजनन को नियंत्रित करने से संबंधित कोई ठोस कानून नहीं है. चूंकि, ऐसे मामले वन्यजीव सुरक्षा अधिनियम, १९७२ के दायरे में नहीं आते, जिससे तस्कर कार्रवाई की जद में आने से बच जाते हैं. वन्यजीवों की ऑनलाइन तस्करी भी हो रही है, ऐसे अपराधों को रोकने के प्रयास अप्रभावी ही रहे हैं. एक रिपोर्ट के मुताबिक, विदेशी पक्षियों और दुर्लभ जानवरों को पहले ब्राजील, मलेशिया, सिंगापुर, थाइलैंड, पापुआ न्यू गिनी, ऑस्ट्रेलिया या किसी अफ्रीकी देश के जंगल से पकड़ा जाता है, फिर उन्हें पिंजरे में बंद कर भारत भेज दिया जाता है. विशेषज्ञों का मानना है कि दुर्लभ जीवों की बरामदगी के बढ़ते मामले स्पष्ट करते हैं कि अंतरराष्ट्रीय बाजार और वेट मार्केट में इनकी काफी मांग है. विश्व वन्यजीव कोष (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) के मुताबिक, नेवले के बाल, सांप की खाल, कछुए की शेल, कस्तूरी और भालू के पित्त समेत विविध उत्पादों की भारत में भले ही कोई प्रत्यक्ष मांग न हो, लेकिन अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसके ग्राहक मौजूद हैं. मामलों की छानबीन और दोषियों पर कार्रवाई से स्पष्ट है कि संस्थाएं सतर्क हैं. जंगली प्रजातियों की तस्करी पर प्रभावी रोक के लिए निरंतर उपायों को मजबूत करने की आवश्यकता है, तभी जीवों को बचाने की मुहिम सफल हो पायेगी और दुर्लभ जीवों के अस्तित्व को भी बचाया जा सकेगा.

अगले तीन दिन सात जिलों में भारी बारिश के आसार, ऑरेंज अलर्ट जारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पिछले कई दिनों से मानसून की बेरुखी के बाद मंगलवार से देहरादून, टिहरी, पौड़ी, नैनीताल, चंपावत, ऊधमसिंह नगर और हरिद्वार में भारी बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग की ओर से ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया गया है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक, इन सात जिलों में कल से लगातार तीन दिनों तक भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है। कुछ इलाकों में अत्यंत भारी बारिश हो सकती है।

मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक एवं वरिष्ठ मौसम विज्ञानी विक्रम सिंह ने बताया कि मंगलवार से अगले तीन दिन सरकार, शासन, जिला प्रशासन के साथ ही आपदा प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों को 24 घंटे सतर्क रहने की जरूरत है।

नदियों, नालों के किनारे बसे लोगों के साथ ही भूस्खलन संभावित इलाकों में बसे लोगों को सावधान रहने की जरूरत है। इस संबंध में सरकार और आपदा प्रबंधन विभाग को रिपोर्ट भेजी जा चुकी है। वहीं, दून व आसपास के इलाकों में भारी बारिश की संभावना को देखते हुए डीएम सोनिका ने आपदा प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों को अलर्ट रहने के आदेश दिए हैं।

उन्होंने आपदा प्रबंधन से जुडे.अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक निर्देश दिए। उपजिलाधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने इलाकों में रहेंगे ताकि बारिश के चलते यदि कहीं आपदा आती है तो तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू हो सके।

बाइक के पीछे बैठे युवक को घसीटकर ले गया था बाघ, दो अधखाए हाथ बरामद

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनीताल में बाघ के हमले की घटना से गुस्साए ग्रामीणों ने रविवार सुबह नेशनल हाइवे जाम कर दिया। इससे वाहन चालकों और यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। वन विभाग की कई टीमों की ओर से चलाए जा रहे सर्च ऑपरेशन के दौरान बाघ के हमले के शिकार युवक के दो अधखाए हाथ बरामद हो गए। युवक के शरीर के शेष भाग का पता नहीं चल सका है। युवक के परिजन भी हसनपुर (अमरोहा) से रामनगर पहुंच गए। आशंका जताई जा रही है कि बाघ ने युवक को निवाला बना लिया होगा।

शनिवार रात अमरोहा निवासी अफसरुल अपने दोस्त अनस के साथ नैनीताल, अल्मोड़ा घूमने के बाद बाइक से अमरोहा की ओर लौट रहा था। नेशनल हाईवे पर मोहान इंटर कॉलेज के पास बाघ ने बाइक सवारों पर हमला कर दिया। बाइक पर पीछे बैठे अफसरुल को बाघ घसीटकर कोसी रेंज के घने जंगल में ले गया था। घटना का पता चलते ही वन विभाग ने सर्च अभियान चलाया। अंधेरे की वजह से कोई सफलता नहीं मिली थी। रविवार सुबह युवक की खोज में फिर सर्च अभियान चलाया गया।

टीम को लापता अफसरुल के दो हाथ घटनास्थल से करीब 300 मीटर अंदर नदी की ओर से बरामद हुए हैं। क्षेत्र में बाघों के हमले बढ़ने से स्थानीय ग्रामीण दहशत में हैं। सर्च अभियान के दौरान ग्रामीणों ने वनकर्मियों का

गुस्साए ग्रामीणों ने किया हाईवे जाम

घेराव कर दिया। ग्रामीणों का आरोप था कि लगातार इस क्षेत्र में बाघों का मूवमेंट है और कई बार वनकर्मियों को सूचना दी गई लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई।

बाघ के हमले के बाद मोहान के लोगों ने रविवार सुबह हाइवे पर जाम लगा दिया। ग्रामीण हमलावर बाघ को पकड़ने की मांग कर रहे थे। बाघ के हमले के बाद अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित ग्रामीण कॉर्बेट टाइगर रिजर्व पार्क प्रशासन और रामनगर वन प्रभाग पर लापरवाही का आरोप लगा रहे हैं। ग्रामीणों ने करीब एक घंटे तक हाईवे जाम कर दिया। इससे सड़क के दोनों ओर दो किलोमीटर तक वाहनों की कतार लग गई। सीओ बलजीत सिंह भाकुनी ने बताया ग्रामीणों ने करीब एक घंटे तक जाम लगाया। बाद में वन विभाग के अधिकारियों के आश्वासन पर वह मान गए और यातायात सुचारु हो गया।

अल्मोड़ा से रामनगर की ओर आ रहे पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत भी जाम में फंस गए। उन्होंने सड़क पर बैठे ग्रामीणों की समस्याओं को सुना। ग्रामीणों ने बाघ के लगातार बढ़ते हमले के बावजूद विभाग की ओर से किसी तरह की सुरक्षा नहीं देने की शिकायत की। इस दौरान पूर्व सीएम भी ग्रामीणों के साथ सड़क पर बैठ गए। पूर्व सीएम हरीश रावत ने वरिष्ठ अधिकारियों को फोन कर बाघ को जल्द पकड़ने की मांग की। उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से फोन पर वार्ता कर ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने को कहा।

रामनगर वन प्रभाग कोसी रेंज के रेंजर शेखर तिवारी ने बताया कि उन्होंने ग्रामीणों से जंगल में अकेले नहीं जाने के साथ सतर्क रहने को कहा है। हिदायत दी गई कि बाइक सवार रात के समय हाईवे पर नहीं निकलें। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में तीन बाघ घूम रहे हैं और उन्हें पकड़ने में टीम जुटी हुई है।

देहरादून की नई डीएम और स्मार्टसिटी की सीईओ सोनिका की धाकड़ एंट्री, अधिकारियों और ठेकेदारों को दे दिया सख्त संदेश, मुख्यमंत्री का विज़न है सर्वोपरि

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जिलधिकारी, देहरादून/मुख्य कार्यकारी अधिकारी सोनिका जी द्वारा स्मार्ट सिटी लि0 के अन्य अधिकारियों के साथ आज दिनांक 16 जुलाई को देहरादून स्मार्ट सिटी के अन्तर्गत क्रियान्वित परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया गया ,निरीक्षण के समय सभी सम्बन्धित विभागों, कार्यदायी संस्थाओं एवं डी0एस0सी0एल0 तथा पी0एम0सी0, डी0एस0सी0एल0 के अधिकारी उपस्थित रहें। स्थलीय निरीक्षण के दौरान देहरादून स्मार्ट सिटी के अधिकारी द्वारा स्मार्ट टॉयलेट परियोजना के अन्तर्गत बन रहे सभी स्मार्ट टायलेटों का निरीक्षण किया गया एवं कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया गया की सभी स्मार्ट टॉयलेट का कार्य शीघ्र किसी पूर्ण कर लिया जाए।

बहल चौक से क्लॉक टावर एव ई0सी0 रोड की ओर स्मार्ट रोड का निरीक्षण किया गया इस दौरान कार्यदायी सस्था कों निर्देशित किया गया की कार्य को शीघ्र पूर्ण करने हेतु श्रमिकों की संख्या बढाकर कार्य किया जाए तथा आम जनमानस को कार्यो के चलते असुविधा का सामना ना करना पडें इस बात का पूर्ण ध्यान रखा जाए। मुख्य कार्यकारी अधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में सम्बन्धित विभाग द्वारा कार्य में बाधा उत्तपन्न करने वाले इलेक्ट्रिक पोलों, होर्डिंग्स आदि यथाशीघ्र हटा लिया जाए। कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया कि मासिक एवं साप्ताहिक कार्ययोजना बनाकर देहरादून स्मार्ट सिटी को प्रस्तुत की जाए। परेड ग्राउण्ड का स्थलीय निरीक्षण किया गया जिसमें तथा कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया गया की कार्य को शीघ्र करने हेतु समुचित श्रमिकों की संख्या के साथ कार्य किया जाए साथ ही निर्देशित किया गया कि पार्किंग में टाइल्स आदि लगाने का कार्य शीघ्र पूर्ण किया जाए।

तिब्बती मार्केट की नाली निर्माण का कार्य के बाद फुटपाथ निर्माण का कार्य जनहित में प्राथमिकता के अनुसार पूर्ण किया जाए। यह भी निर्देशित किया गया की कार्यहित में अपने संसाधानों में वृद्धि की जाए जैसे निर्माण सामग्री, मजदूर, मशीन एवं निमार्ण सामग्री स्टोर आदि तथा मासिक एवं साप्ताहित कार्ययोजना बनाकर देहरादून स्मार्ट सिटी को प्रस्तुत की जाए।

देहरादून में तीन हजार रुपये के लिए दो दोस्तों ने की युवक की हत्या, पुलिस ने किया गिरफ्तार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। कारबारी के युवक की हत्या कर शव जंगल में दफनाने के प्रकरण का पटेलनगर कोतवाली पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। पुलिस ने मृतक के दो दोस्तों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों ने 3000 रुपये के लिए युवक की हत्या कर दी थी।

रविवार को मामले का पर्दाफाश करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दलीप सिंह कुंवर ने बताया कि 14 जुलाई को कारबारी स्थित कश्यप बस्ती के राजपाल कश्यप ने पटेलनगर कोतवाली में तहरीर दी थी कि नौ जुलाई से उनका चचेरा भाई पवन कश्यप गायब है। वह कुछ देर में आने की बात कहकर घर से निकला था, लेकिन फिर नहीं लौटा। पुलिस ने क्षेत्र के आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगाले। फुटेज में पवन कश्यप दो व्यक्तियों के साथ जंगल की तरफ जाता दिखाई दे रहा था।

पटेलनगर कोतवाली पुलिस ने 16 जुलाई को फुटेज में दिख रहे व्यक्तियों को पकड़ लिया। पूछताछ में उन्होंने अपना नाम कारबारी साईंलोक कालोनी नया गांव निवासी अंकित व विक्रम सिंह बताया। पूछताछ में आरोपितों ने पवन की हत्या करने की बात स्वीकारी।

अंकित ने बताया कि पवन ने उसके तीन हजार रुपये देने थे। नौ जुलाई को तीनों कारबारी के जंगल में शराब पी रहे थे। नशे में दोनों के बीच लेनदेन को लेकर झगड़ा हो गया, जहां अंकित व विक्रम ने मिलकर पवन का गला दबाकर हत्या कर दी। शव को मौके पर

ही एक गड्ढा खोदकर उसमें दबा दिया। पुलिस ने आरोपितों की निशानदेही पर बीते शुक्रवार को शव बरामद किया था।

शहर कोतवाली क्षेत्र से अपहृत किशोरी को पुलिस टीम ने पंजाब से बरामद किया है। आरोपित युवक को भी गिरफ्तार कर लिया है। हरिद्वार लाकर किशोरी को स्वजन के सुपुर्द कर दिया है। जबकि, आरोपित को कोर्ट में पेशकर जेल भेज दिया गया है।

शहर कोतवाल राकेंद्र कठैत ने बताया कि लोधामंडी बस्ती निवासी एक व्यक्ति ने मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया था कि उनकी नाबालिग बेटी को परिचित युवक बहला-फुसलाकर ले गया है।

आरोपित ने उसका अपहरण कर अपने साथ रखा हुआ है। पुलिस ने आरोपित चंदन मौर्या निवासी ग्राम कोलीया हाट बहराइच उत्तर प्रदेश के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर किशोरी की तलाश की थी।

सूचना मिलने पर एक पुलिस टीम को पंजाब भेजा गया। टीम ने पंजाब के सेक्टर पांच हैबतपुर रोड डेरा बसी मोहाली में एक घर से किशोरी को बरामद करते हुए आरोपित युवक को पकड़ लिया। हरिद्वार लाकर युवक को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया। जबकि, किशोरी को कोर्ट में पेश कर उसके बयान दर्ज कराए जाएंगे।

आइसीएसई में ब्राइटलैंड्स स्कूल की तन्वी शर्मा रहीं उत्तराखंड टापर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। 2022 काउंसिल आफ इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशंस (सीआइएसई) के दसवीं के परिणाम में उत्तराखंड के होनहारों ने अपनी योग्यता का लोहा मनवाया है। देशभर में शीर्ष तीन स्थान पाने वाले 110 छात्र-छात्राओं में राज्य के तीन छात्र-छात्राओं ने बनाई है।

उत्तराखंड टापर ब्राइटलैंड्स स्कूल की छात्रा तन्वी शर्मा ने 99.60 प्रतिशत अंकों के साथ देश में दूसरा अंक हासिल किया है। वहीं वेल्हम गर्ल्स स्कूल की किया अग्रवाल व ब्राइटलैंड्स स्कूल के स्वास्तिक पंत 99.40 प्रतिशत अंक के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

कोरोना की वजह से सीआइएसई की दसवीं व बारहवीं की परीक्षा दो चरण में आयोजित की गई थी। पहला चरण नवंबर में हुआ था। जबकि दूसरे चरण की परीक्षा इस साल अप्रैल

में हुई थी। तभी से छात्र-छात्राएं परिणाम का इंतजार कर रहे थे। रविवार शाम पांच बजे परिणाम जारी हुआ। जिसके बाद से बोर्ड से संबंद्ध स्कूलों में बच्चों के आने का सिलसिला शुरू हुआ, जो देर शाम तक जारी रहा। परीक्षा में सफल हुए छात्रों ने शिक्षकों व स्वजन के साथ खुशी मनाई। शिक्षकों ने कहा कि कोरोना के मुश्किल समय में छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया है। दून के सेंट जोसेफ एकेडमी, कान्वेंट आफ जीसस एंड मैरी, ब्राइटलैंड्स स्कूल, समर वैली, कैमब्रियन हाल, सेंट थामस कालेज समेत अन्य स्कूलों में छात्रों ने शिक्षकों के साथ सफलता की खुशी मनाई।

आइसीएसई बोर्ड के 10वीं का परीक्षा परिणाम रविवार शाम को जारी हो गया है। मुख्यालय पौड़ी में आइसीएसई बोर्ड 10वीं में सेंट थामस स्कूल के तुरबस नेगी ने विद्यालय टाप किया है। विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा है।

सेंट थामस स्कूल पौड़ी में 10वीं में 107 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत थे, जो सभी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए। परीक्षा परिणाम आने के बाद छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों में खुशी की लहर है।

दैनिक
न्यूज वायरस
न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।
सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002
email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094
वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा